

मोबाइल फोन व आपका स्वास्थ्य

प्रवीण कुमार

सेलफोन के उपयोग में खूब बढ़ोतरी हुई है। नई योजनाओं और लुभावने आकर्षणों के साथ कम्पनियां इस होड़ में जुट गई हैं। दूसरी ओर इस नए उत्पाद के सामाजिक, शारीरिक, मानसिक प्रभावों पर शोध भी हो रहे हैं। अब तक प्रकाशित कुछ चर्चित अध्ययनों को प्रस्तुत करता यह लेख.....

सेल्युलर व मोबाइल फोन बाबत छप रही विरोधाभासी खबरों के बावजूद इनके अब तक पुष्ट हुए हानिकारक प्रभाव केवल व्यवहार सम्बंधी ही हैं; शरीर पर इनके दुष्परिणाम नहीं देखे गए हैं। उदाहरण के लिए कार चलाते वक्त चालक द्वारा मोबाइल फोन का प्रयोग दुर्घटना की आशंका को चार गुना बढ़ा देता है। यानी मोबाइल फोन के साथ कार चलाना उतना ही खतरनाक है जितना नशे में गाड़ी चलाना।

वेस्टचेस्टर कंट्री विधायिका (न्यूयॉर्क) ने पिछली फरवरी में एक विधेयक पारित कर कार चलाते वक्त हाथ में रखने वाले सेलफोन के उपयोग पर रोक लगा दी है। नौ देशों ने ऐसे मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर भी प्रतिबंध लगा दिया है जिन्हें हाथ में नहीं उठाना पड़ता। कम से कम एक मोबाइल फोन कम्पनी ऐसी भी है जो उपभोक्ताओं को मोबाइल फोन का प्रयोग पेट्रोल पम्प अथवा अन्य विस्फोटक सामग्री के पास न करने की

हिदायत देती है क्योंकि ये फोन ऊर्जा पैदा करते हैं। यदि आपकी कार में एंटीना है तो मोबाइल फोन का उपयोग करते समय उसे न छूने की सलाह दी जाती है क्योंकि एंटीना के जरिए रेडियो संकेत प्राप्त होते हैं।

मोबाइल फोन के शारीरिक प्रभावों पर वैज्ञानिक अभी तक किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पाए हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि थियेटरो तथा सभागारों में सेलफोन असुविधाजनक हो सकते हैं; विमानों में खतरे के झूठे संकेत दे सकते हैं तथा विमान के रेडियो संकेतों में बाधा उत्पन्न कर सकते हैं। इससे विमान चालक दल निर्धारित ऊंचाई पर उड़ान न भरने जैसी गलतियां कर सकते हैं। इस प्रकार के बयान ब्रिटेन के असैनिक वैज्ञानिक प्राधिकरण द्वारा गत मई में जारी किए गए हैं।

लेकिन इस तस्वीर का एक सकारात्मक पहलू भी है। सेलफोनों की वजह से घटी दुर्घटनाओं में हुई मौतों की तुलना में संकट के दौरान इनकी मदद से कहीं अधिक



